711

HD-02

December - Examination 2019

B.A. Pt. I Examination

हिन्दी गद्य भाग–II (कथा साहित्य)

Paper - HD-02

Time : 03 Hours] **[Max. Marks :- 70**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$7 \times 2 = 14$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

(i) 'नीलकांत का सफर' कहानी किसने लिखी?

(ii) गजाधरबाबू के रेल्वे क्वाटर का जीवन कैसा था?

(iii) 'आशा अमरधन' कहानी की मूल संवेदना बताइए।

(iv) पत्नी कहानी के प्रमुख दो पात्रों का नामोल्लेख कीजिए।

(v) 'परमात्मा का कुत्ता' कहानी में वृद्ध व्यक्ति स्वयं को और सरकारी कर्मचारी को किस नाम से सम्बोधित करता है?

(vi) 'पुरस्कार' कहानी में मधुलिका के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(vii) 'चीफ की दावत' कहानी के प्रमुख पात्र का नाम बताइए।

(खण्ड – ब) **4 × 7 = 28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) 'उसने कहा था' कहानी की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

3) उपन्यास और कहानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। जब उन्हें पहनकर निकलती थी तो उतनी देर के लिए उल्लास में उसका हृदय खिला रहता था। एक–एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक–एक रक्षास्त्र। उसे किस बात की चित्ता है। इन्हें तो कोई उससे छीन न लेगा। आज ये मेरे सिंगार है, कल को मेरे आधार हो जाएँगे। इस विचार से उसके हृदय को कितनी सान्त्वना मिली थी। वही सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई।

5) पत्नी से राहत की साँस ली। विमुक्त भाव से कहा, ''अब कही मन को चैन मिला। मैंने तो सोचा बात कुछ दूसरी ही है। पर कुएँ में पानी न हो तो हम भी क्या करें? यदि कुएँ का पानी नहीं खूटता तो जिन्दा रहते उसे छोड़ते भला? लाचारी जो न कराए, थोड़ा है। कुएँ में पानी न हो तो उसमें धमाक देने से रहे?

6) ''वह भयभीत थी, पहला भय उसे अरुण के लिए उत्पन्न हुआ। यदि वह सफल न हुआ तो। फिर सहसा सोचने लगी – वह क्यो सफल हो? श्रावस्ती दुर्ग एक विदेशी के अधिकार में क्यों चला जाए? मगध का चिर शत्रु। ओह, उसकी विजय।''

7) 'पूस की रात' कहानी के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

8) 'पत्नी' कहानी के वातावरण (परिवेश) का वर्णन कीजिए।

9) 'निर्मला' उपन्यास में विद्यमान सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड – स) $2 \times 14 = 28$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अधिक 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) पत्नी कहानी में प्रमुख समस्या का उल्लेख करते हुए सुनन्दा के चरित्र का उद्घाटन कीजिए।

11) 'परमात्मा का कुत्ता' कहानी की कथावस्तु और शिल्प का विवेचन कीजिए।

12) 'महाभोज' उपन्यास में विद्यमान मूल्यहीनता का विश्लेषन कीजिए।

13) किन्हीं दो पर टिप्पनी कीजिए।

(क) प्रेमचन्द और उनकी कथाधारा

(ख) समकालीन कहानी

(ग) आंचलिक उपन्यास

(घ) मनोवैज्ञानिक उपन्यास